ST. FRANCIS DE SALES COLLEGE

A FRANSALIAN INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION **AUTONOMOUS**

NAAC A GRADE ● AFFILIATED TO BANGALORE UNIVERSITY ● AICTE APPROVED ● 2(F) & 12 (B) RECOGNITION OF UGC ● ISO 9001:2015 CERTIFIED

Electronics City P.O., Bengaluru - 560 100, Karnataka, INDIA (+91) 8088140679 pro@sfscollege.in www.sfscollege.in

END SEMESTER EXAMINATION – MAY 2025
HINDI - II SEMESTER BCA
24BCA21H: KAVYA MANJARI , VAIGYANKON KA PARICHAY AUR SANKSHAPAN

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए: **10X1=10**

1. कबीरदास ईश्वर से क्या मांगते हैं?
2. तुलसीदास के अनुसार सच्ची भक्ति क्या है?
3. बिहारी ने सच्ची संपत्ति किसे कहा है?
4. मातृभूमि को कवि ने किस रूप में देखा है?
5. समय का सदुपयोग कौन करते हैं?
6. कवयित्रि पंत को कैसा रहने दो कहती है?
7. रथ का टूटा हुआ पहिया किस से लोहा ले सकता है?
8. फूलों के झड़ जाने पर कौन शोर नहीं मचाता?
9. मधुघट किसका प्रतीक है?
10. मिट्टी बार-बार कैसे संवारती है?

II. किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए: **2X7=14**

1.सांई इतना दीजिए, जामें कुटुम समाय I

मैं भी भूखा ना रहूं, साधु न भूखा जाए II

2.लेकिन मुझे फेंको मत

इतिहासों की सामूहिक गति

सहसा झूठी पड जाने पर क्या जाने

सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले I

3.जीवन में मधु का प्याला था

तुमने तन मन दे डाला था

वह टूट गया तो टूट गया

मदिरालय का आंगन देखो

कितने प्याले हिल जाते हैं

III. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **2X15=30**

1. मातृभूमि कविता का सारांश लिखकर इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए I

2.पंथ होने दो अपरिचित कविता का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए I

3.जो बीत गई कविता का सारांश लिखकर इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए I

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: **1X6=6**

1. कबीर दास की भक्ति भावना I
2. टूटा पहिया I

V. किसी एक वैज्ञानिक का परिचय लिखिए **1X10=10**

1. होमी जहांगीर भाभा I

2.जी, रंगराजन I

VI. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण लिखिए: **1X10=10**

भारत मे अधिकांश रहने वालों की एक खास आदत है कि पेट का थोड़ा सा इंतजाम हो जाने पर वे फिर आमदनी बढ़ाने की कोशिश नहीं करते I उनका जीवन बहुत ही सरल और सादा होता है I वे अपने कष्टों को बहुत कुछ सह लेते हैं I इन सब बातों की वजह से उनके रहन-सहन का दर्जा भी बहुत नीचा होता है I वे आधा पेट खाकर दिन बिताते हैं I आप पूछ सकते हैं कि क्या भारत में भोजन की कमी है ? यह ऐसा सवाल है जिसके ऊपर भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं है I मालथस नमक के अंग्रेज अर्थशास्त्री का कथन है कि जनसंख्या भोजन की चीजों से कहीं अधिक तेजी से बढ़ती है I उनके विचारों पर बहुत कुछ कहां जा चुका है तिस पर भी यह विचार अभी तक आधार की दृष्टि से देखे जाते हैं I यह स्पष्ट है कि भारत में जनसंख्या की बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है और जनसंख्या के एक भाग को एक वक्त का पेट भर भोजन नहीं मिलता I